

मुंबई की बरसात

दीर्घउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न-1 घर के भीतर पानी भर जाने का अहसास लेखक को कब हुआ?

उत्तर-जब लेखक की एड़ियों और पिंडलियों को ठंडे-ठंडे पानी ने छूना शुरू कर दिया तब लेखक को घर के भीतर पानी भरने का अहसास हुआ। वह अपना सामान समेटने लगा। उसने अपनी खोली का दरवाज़ा खोलकर बाहर जाने की कोशिश की, पर वह असफल रहा।

प्रश्न -2 पानी भरता देखकर लेखक ने क्या किया ?

उत्तर- पानी भरता देखकर लेखक ने खोली की चीजों को समेटना शुरू किया जैसे बिस्तर, किताबें, लिखे-अधलिखे कागज़। उन्होंने रोजाना पहने जानेवाले कपड़ों को भी उठाया जिससे वह गीले न हों। देखते ही देखते सारे कमरे में पानी भर गया और बाकी सामान पानी में तैरने लगे।

प्रश्न-3 डोंगी में कौन था ? उसने लेखक को पानी से कैसे निकाला ?

उत्तर- डोंगी में गौतम पाल के साथ दो-तीन लोग और भी थे। गौतम ने हाथ से इशारा कर लेखक को डोंगी में बुलाया किंतु वे पानी में जाने से डर रहे थे। गौतम अपने मित्र की मदद करने के लिए ठंडे पानी में उतरा और उन्हें अपने साथ लेकर नाव तक पहुंचाया। यह बहादुरी का काम था।

प्रश्न-4 डोंगीवाले पानी में फँसे लोगों की मदद कैसे कर रहे थे ?

उत्तर- उस पानी से भरी बस्ती में फँसे लोगों की मदद करने के लिए कुछ लोग नाव में घूम रहे थे। वे लोग आवाज़ें देकर बुला रहे थे। वे बाढ़ में फँसे लोगों को डोंगी में बैठाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे थे। यह कार्य हमें दूसरों की मदद करने का संदेश देता है।

प्रश्न-5 नाव में पानी में भर जाने पर सवारियों ने क्या किया ?

उत्तर- डोंगी एक अस्थायी नाव थी, जो लोगों की सहायता करने के लिए बनाई गई थी। अधिक देर तक पानी में रहने और लगातार बरसात होने के कारण उसमें पानी भरने लगा था। नाव में बैठे लोग बाल्टी की सहायता से उसमें भरे पानी को बाहर फेंकने लगे और उसको डूबने से बचाने लगे। नाव ही लोगों को बचाने का एकमात्र साधन थी।